एक नजर में

मध्यप्रदेश, अब पर्यटन और रोज़गार का नया ग्रोथ इंजन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मंदसौर / प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास भी,विरासत भी' के कालजयी मंत्र को ध्येय वाक्य मानकर मध्यप्रदेश अपनी सांस्कृतिक पहचान को अक्षुण्ण बनाए रखने की दिशा में एक ऐतिहासिक पथ पर अग्रसर है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस सांस्कृतिक पुनर्जागरण का शंखनाद उज्जैन में 'श्री महाकाल लोक' के लोकार्पण के साथ किया था, वह यात्रा अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में एक विराट जन-अभियान का रूप ले चुकी है। प्रदेश की पावन धरा पर लगभग 900 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 20 'लोकों' का निर्माण किया जा रहा है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी गौरवशाली परंपराओं का जीवंत साक्ष्य बनेंगे। धार्मिक एवं सांस्कृतिक वैभव की इस अविरल यात्रा में वर्तमान में 580 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 17 महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक लोक पर तीव्र गति से कार्य संचालित है। सागर में 'संत रविदास लोक' 101 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा है। यह हमारी सामाजिक समरसता का प्रतीक है। सीहोर जिले के सलकनपुर में 'देवी लोक' और ओरछा में 'श्रीरामराजा लोक' जैसे भव्य प्रकल्प अपनी पूर्णता के करीब हैं। सरकार की संकल्प शक्ति का ही परिणाम है कि मंदसौर में 'भगवान पशुपतिनाथ लोक परिसर' का कार्य पूर्ण कर उसे जनता को समर्पित किया जा चुका है।

संरक्षण व संवर्धन की हुई विविध गतिविधियां

मंदसौर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले में जल संरक्षण

एवं संवर्धन को बढ़ावा देने हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। कार्यपालन यंत्री प्रदीप गोगादे ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग के मैदानी अमले द्वारा जल स्रोतों को स्वच्छ रखने, नियमित क्लोरिनेशन सुनिश्चित करने तथा जल गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में मल्हारगढ़ विकासखंड के ग्राम लिम्बावास, पेहेड़ा एवं बूढ़ा में 'जल अर्पण दिवस' मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत परिसर में आकर्षक रंगोली बनाई गई। जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में जल कलश यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामवासियों एवं स्कूली बच्चों को पेयजल स्रोतों से प्राप्त पानी की फील्ड टेस्टिंग किट के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों को नल जल योजना के संचालन एवं संधारण संबंधी आवश्यक जानकारी दी गई। उन्हें योजना के निर्माण से लेकर प्रबंधन एवं रखरखाव की जिम्मेदारियों, जलकर की मासिक वसूली, प्रत्येक परिवार को समान दबाव से पानी उपलब्ध कराने तथा ग्राम में स्वच्छ जल एवं समग्र स्वच्छता सुनिश्चित करने के संबंध में कार्यशाला के माध्यम से मार्गदर्शन दिया गया। इसके साथ ही गांव में स्थापित पेयजल स्रोतों का क्लोरीनेशन कार्य एवं स्वच्छता सर्वेक्षण भी किया गया। विद्यालयीन बच्चों ने रैली निकालकर जल संरक्षण, जल के अपव्यय को रोकने एवं सुरक्षित एवं समुचित उपयोग के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया।

मल्हारगढ़ में विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेला 9 फरवरी को अधिक से अधिक युवा अवसर का लाभ उठाएं

मंदसौर। म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत मंदसौर जिले में विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन 9 फरवरी 2026 को प्रात: 11 बजे से सायं 4 बजे तक जनपद पंचायत परिसर, मल्हारगढ़ में किया जाएगा। यह जानकारी मिशन से श्री अनिल मरावी द्वारा दी गई। रोजगार मेले में नवभारत फर्टिलाइजर्स (इंदौर), मारुति सुजुकी (गुजरात), लाइम कंपनी (अहमदाबाद), एस.आई.एस. इंडिया (नीमच), मुथुट माइक्रो फाइनेंस (बांसवाड़ा, राजस्थान), एलआईसी लाईफ इंश्योरेंस (मंदसौर), गैल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (गुना), एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस (मंदसौर), सिद्धिविनायक बॉयो फर्टिलाइजर्स (मंदसौर), अटेला ऑर्गेनिक इंडस्ट्रीज (दलौदा), एलएण्टी फाइनेंस (इंदौर), एस.के.एम.पी. मीडिया टेक्नोलॉजी प्रा.लि. (पिपलिया मंडी) सहित विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी। इन कंपनियों द्वारा लाईफ मित्र, सेल्स ऑफिसर, फील्ड ऑफिसर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, ट्रेनी, कस्टमर केयर, इंश्योरेंस एजेंट, सिविल सिक्योरिटी गार्ड, कलेक्शन ऑफिसर, वेल्डर, सीएनसी ऑपरेटर, इलेक्ट्रीशियन, फ्रंटलाइन स्टाफ, कलेक्शन स्टाफ एवं अन्य पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए 8वीं, 10वीं, 12वीं, आईटीआई, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा धारक अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थियों की आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। मेले में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थी अपने साथ दो पासपोर्ट साइज फोटो, बायोडाटा/रिज्यूम, रोजगार पंजीयन कार्ड, आधार कार्ड तथा शैक्षणिक अंकसूचियों की छायाप्रति अनिवार्य रूप से लेकर आएं। अधिक जानकारी के लिए म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला पंचायत मंदसौर (म.प्र.) के दूरभाष क्रमांक 07422-292016 पर संपर्क किया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय ओलम्पियाड में चिरंजय कुमठ को स्वर्ण पदक

पिपलियामंडी। अंतरराष्ट्रीय ओलम्पियाड परीक्षा में पिपलिया क्षेत्र के होनहार छात्र चिरंजय अभिषेक पूर्वा कुमठ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सामान्य ज्ञान विषय में सर्वाधिक अंक अर्जित कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। चिरंजय के पिता अभिषेक कुमठ ने जानकारी देते हुए बताया कि शिशुवन, मंदसौर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ओलम्पियाड परीक्षा में चिरंजय ने 98.7 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा में 28 वां स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय, परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बताया गया कि चिरंजय की इस सफलता के पीछे उसकी निरंतर मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों का मार्गदर्शन रहा है।

दलौदा पुलिस ने 700 किमी दूर से नाबालिग बालिका को सुरक्षित बरामद किया

मंदसौर। थाना दलौदा पुलिस ने आपरेशन मुस्कान के तहत 16 वर्षीय नाबालिग बालिका को ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश) से आरोपी के कब्जे से सुरक्षित बरामद किया। आरोपी मुहम्मद शकील (उम्र 32, मेरठ) को गिरफ्तार किया गया। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले में गुम नाबालिग बालक/बालिकाओं की खोज के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत दलौदा पुलिस टीम ने 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच कर बालिका को 700 किलोमीटर दूर ग्रेटर नोएडा से ट्रेस किया। घटना की पृष्ठभूमि यह है कि 26 जनवरी 2026 को बालिका के अपहरण की रिपोर्ट थाना दलौदा में दर्ज कराई गई थी।

टीम ने सूचनाकर्ता, रिश्तेदारों और विश्वसनीय मुखबिरों की मदद से

पूर्व सैनिक सेवा परिषद व समाजसेवियों ने किया 6 सेवानिवृत्त सैनिकों का स्वागत

मंदसौर: **अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद एवं शहर के समाजसेवियों ने भारतीय सेना से सेवानिवृत्त होकर आए छह सैनिकों का भव्य स्वागत और सम्मान किया। यह कार्यक्रम शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में पूरे हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।**

सबसे पहले सेवानिवृत्त सैनिक गोपाल गुर्जर (गांव गुर्जर बर्डिया) का 18 वर्ष की सेवा उपरांत स्वागत किया गया। इसके बाद योगेश सिंह चौहान (संजीत नाका, मंदसौर) जिन्होंने 22 वर्ष भारतीय सेना में सेवा की, और मुकेश डांगी (अफजलपुर) जिन्होंने 22 वर्ष केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में सेवा की, का स्वागत किया गया। उनकी स्वागत यात्रा भारत माता चौराहा से शुरू होकर गांधी चौराहा, सरदार वल्लभभाई पटेल चौराहा और संजीत नाका होते हुए उनके गृह गांव अफजलपुर में संपन्न हुई। वहां स्कूल स्टाफ, बच्चे और ग्रामवासियों ने उन्हें फूलों और माला से सम्मानित किया।

नारायणगढ़ के सैनिक अंतिम कुमार ग्वाला (22 वर्ष सेवा) का मल्हारगढ़ और नारायणगढ़ में स्वागत किया गया, जिसकी जिम्मेदारी संगठन की मल्हारगढ़ इकाई ने संभाली। इसके बाद नानालाल जी पाटीदार (गांव अकोदड़ा) का 22 वर्ष सेवा के उपरांत स्वागत किया गया। उनकी यात्रा भी भारत माता चौराहा से शुरू होकर सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण और गृह गांव अकोदड़ा में संपन्न हुई ।गांव खेजड़ी, मल्हारगढ़ निवासी बलवंत सिंह चौहान ने 24 वर्ष सेवा के बाद 5 फरवरी को सेवानिवृत्ति ली। उनका स्वागत पूर्व सैनिक संगठन की मल्हारगढ़ इकाई द्वारा किया गया और पिपलिया मंडी एवं गृह गांव में भव्य स्वागत हुआ।

सभी सेवानिवृत्त सैनिकों की स्वागत रैली भारत माता चौराहा से शुरू होकर उनके गांव और नगर तक गई। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने उन्हें साफा, श्रीफल और माला से सम्मानित किया। शहर और नगर के समाजसेवियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी नगरवासियों ने पलक पाउडर बिछाकर, पुष्प वर्षा कर और माला पहनाकर सैनिकों का स्वागत किया ।समाजसेवी विनय दुबेला ने कहा कि मंदसौर की धरती पर प्रत्येक सैनिक का स्वागत होता है और यह परंपरा हमेशा जारी रहनी चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि सोशल मीडिया पर सैनिकों के सम्मान और स्वागत की पोस्ट साझा करें, जिससे समाज में देशभक्ति और सम्मान की भावना बढ़े ।पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष मुकेश गुर्जर पालड़ी ने कहा कि भारतीय सैनिक लंबे समय तक देश की सेवा करने के बाद अपने गांव लौटते हैं, और यह हमारे लिए गर्व और खुशी का विषय है। उन्होंने बताया कि सैनिकों में देशभक्ति, जोश और जनसेवा की भावना सदैव जीवित रहती है। सीमाओं पर देश की रक्षा करने वाले सैनिक समाज में रहकर भी युवाओं का मार्गदर्शन करते हैं और उन्हें देश सेवा के लिए प्रेरित करते हैं।

इस अवसर पर संगठन मार्गदर्शक एस. के. त्रिपाठी, सेवानिवृत्त सूबेदार एस. आर. जांगिड़, कैप्टन सुरेश परमार, मोहन पोपड़िया, दशरथ सिंह चौहान, संगठन अध्यक्ष मुकेश गुर्जर, समाजसेवी विनय दुबेला, राजेश चौहान, दीपक राठौड़, बाबूसिंह सिसौदिया, ऋषिराज गुर्जर, रूपचंद महावर, नरेंद्र खटवड़, नरेंद्र पाटीदार, प्रहलाद राठौड़, राजेंद्र सिंह, कमल सिंह चंद्रावत शक्तावत, रघुनाथ सिंह राठौर, मुकेश सोलंकी, मंगल सिंह सिसोदिया, नानालाल मालवीय, दिनेश पाटीदार, कमलेश देवड़ा, आजाद पूरी गोस्वामी, मदन धनगर, दशरथ डांगी, घनश्याम शिकारी, राजेश नागदा, दिलीप पाटीदार, जुगल विश्वकर्मा, हरीश राठौर, रामनारायण गुर्जर, जितेंद्र माली, भारत सिंह बोराना, ईश्वर पाटीदार, धर्मेंद्र सोनगरा, भगत सिंह, आर. एन. मालवीय, रोहित प्रजापत, दिनेश यादव, लाल सिंह, अनूप सिंह सहित अन्य पूर्व सैनिक एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

परीक्षा की चर्चा पर प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक उद्बोधन को विद्यार्थियों ने ध्यानपूर्वक सुना

मंदसौर। 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑनलाइन उद्बोधन को जिले के विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों द्वारा उत्साहपूर्वक एवं ध्यानपूर्वक सुना गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षाविदों, विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों तथा स्टाफ सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता की ।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को परीक्षा को उत्सव के रूप में लेने, आत्मविश्वास बनाए रखने तथा सकारात्मक सोच के साथ तैयारी करने का संदेश दिया। उन्होंने तनाव मुक्त रहकर लक्ष्य निर्धारित करने और समय प्रबंधन पर विशेष बल दिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों एवं शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को परीक्षा संबंधी तनाव से मुक्त रहने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए तथा निश्चिंत होकर तैयारी करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम को प्रेरणादायक बताते हुए इसे अपने लिए उपयोगी एवं मार्गदर्शक अनुभव बताया।

पंचशील विद्यालय में कक्षा 12वीं विद्यार्थियों के लिए भावपूर्ण विदाई समारोह

गरोठ। पंचशील विद्यालय में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के सम्मान में शुक्रवार को गरिमामय और भावनात्मक विदाई समारोह का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय परिवार के लिए अत्यंत स्मरणीय रहा, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और प्रबंधन की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसे विद्यालय के निदेशक हेमंत पाटीदार, प्राचार्या उषा पाटीदार और उप-प्राचार्य महेंद्र सिंह परिहार ने संयुक्त रूप से किया। इसके बाद सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई, जिसने पूरे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया।

विदाई समारोह में विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। गीत, नृत्य, नाटक और समूह प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मेमोरी शेयरिंग स्पीच कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही, जिसमें उन्होंने विद्यालय में बिताए अनुभव, गुरुजनों का स्नेह, मित्रों के साथ बिताए सुनहरे पल और भविष्य के सपनों को भावपूर्ण शब्दों में व्यक्त किया।

निदेशक हेमंत पाटीदार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पंचशील विद्यालय ने उन्हें केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों, अनुशासन और संस्कारों की शिक्षा भी दी है। उन्होंने विद्यार्थियों से विनम्रता, परिश्रम और ईमानदारी को अपनाने का आग्रह किया। प्राचार्या उषा पाटीदार ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी और सफलता के मार्ग पर आत्मविश्वास और नैतिक मूल्यों को कभी न छोड़ने की सलाह दी। उप-प्राचार्य महेंद्र सिंह परिहार ने कहा कि जीवन की चुनौतियां ही हमें मजबूत बनाती हैं और विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें तथा विद्यालय और परिवार का नाम रोशन करें ।इस सत्र में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों में मिस फेयरवेल का ख़िताब प्रज्ञा मालव और मिस्टर फेयरवेल का ख़िताब ध्रुव पाटीदार ने जीता। कार्यक्रम के अंत में कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को स्मृति-चिह्न भेंट किए और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। वहीं, कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने प्राचार्या और निदेशक को स्मृति चिन्ह भेंट किया। संपूर्ण कार्यक्रम सौहार्द, अपनत्व और प्रेरणा से परिपूर्ण रहा, जिसने पंचशील विद्यालय की समृद्ध शैक्षिक और सांस्कृतिक परंपरा को दर्शाया।

मन्दसौर की बेटी श्रीवाली श्रीवास्तव एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में दिखाएंगी दम

मन्दसौर। मन्दसौर जिले के लिए आज का दिन स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाने वाला है। मन्दसौर की सुप्रसिद्ध खेल संस्था नियुद्ध गुरुकुल की मेधावी खिलाड़ी श्रीवाली श्रीवास्तव मध्य प्रदेश शूटिंग अकैडमी भोपाल में 3 वर्षों से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है और आगामी एशियन राइफल/पिस्तौल चौंपियनशिप 2026 में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। श्रीवाली का चयन महिलाओं की सबसे कठिन मानी जाने वाली स्पर्धा 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन के लिए हुआ है।

यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता नई दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में 2 फरवरी से 14 फरवरी, 2026 तक आयोजित की जा रही है। इसमें एशिया के 20 से अधिक देशों के दिग्गज निशानेबाज हिस्सा ले रहे हैं। श्रीवाली का मुख्य मुकाबला 10 फरवरी को होगा, जहाँ वह अपनी एकाग्रता और सटीक निशाने का परिचय देंगी। एशियन शूटिंग कॉन्फेडेरेशन (एएससी) के अनुसार, यह टूर्नामेंट अंतरराष्ट्रीय सत्र के लिए महत्वपूर्ण है।

श्रीवाली ने हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर 3 टीम गोल्ड मेडल और 2 व्यक्तिगत सिल्वर मेडल जीतकर यह साबित कर दिया था कि उनमें विश्व चौंपियन बनने की क्षमता है। उनकी इस उपलब्धि पर वर्ल्ड नियुद्ध फेडरेशन के संस्थापक डॉ. नरेन्द्र श्रीवास्तव ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि, श्रीवाली ने अपने कड़े अनुशासन से सिद्ध कर दिया है कि मन्दसौर की मिट्टी में प्रतिभाओं की कमी नहीं है।

श्रीवाली के इस गौरवपूर्ण चयन पर मन्दसौर में खुशी का माहौल है। नियुद्ध गुरुकुल के प्रशिक्षकों ने श्रीवाली को बधाई देते हुए कहा कि उनका निशाना सफलता के शिखर पर है। जिला खेल एवं युवक कल्याण अधिकारी विजेंद्र देवड़ा और नियुद्ध एयरगन एवं आर्चरी स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र अग्रवाल ने इसे जिले के खेल इतिहास का एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। श्रीवाली के माता-पिता, सीमा श्रीवास्तव और शैलेंद्र श्रीवास्तव साथ ही, वर्ल्ड नियुद्ध फेडरेशन के वरिष्ठ प्रशिक्षकगण एवं एसोसिएशन के मुख्य प्रशिक्षक (कोच) नियुद्ध गुरू प्रवीण भंडारी, नियुद्ध गुरू अजय सिंह चौहान सहित प्रशिक्षक सन्नी घोड़ेला, आदित्य सुरा, मनीष रैकवार, महेश गहलोत, नयनसी गंगवाल, अभिरुचि भंडारी, रजत राज श्रीवास्तव, वंशिका श्रीवास्तव एवं हर्षिता सिसोदिया, विशाल चौहान तथा एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों सहित पूरा मन्दसौर उनके उज्जवल भविष्य की कामना कर रहा है।

गोपाल का बल ही जीवन का सबसे बड़ा संबल, उसी से मिलता है सच्चा आनंद : देवेन्द्र शास्त्री

पिपलियामण्डी। भगवान का होना ही मनुष्य को जीवन में सच्चा बल, साहस और आत्मविश्वास प्रदान करता है। जब जीवन में भगवत कृपा साथ होती है, तब कठिन से कठिन परिस्थितियां भी सहज बन जाती हैं। धनबल, सत्ता या बाहरी सामर्थ्य को सबसे बड़ा बल मान लेना भ्रम है, क्योंकि यह सब क्षणभंगुर हैं। वास्तविक और स्थायी बल यदि कोई है, तो वह केवल गोपाल का बल है। जब तक यह बल जीवन में विद्यमान रहता है, तब तक जीवन आनंद, शांति और संतोष से भरा रहता है। उक्त विचार ग्राम बरखेड़ापंथ स्थित श्री राधाकृष्ण गौशाला परिसर में पिपलिया पत्रकार हितार्थ एवं सामाजिक कल्याण समिति के तत्वावधान में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के षष्ठम दिवस पर भागवताचार्य देवेन्द्र शास्त्री ने व्यक्त किए। उन्होंने प्रवचन के दौरान कहा कि जीवन में एक बात निश्चित है, यदि कोई साधक या भक्त पूर्ण श्रद्धा और मनोयोग से भगवान की भक्ति करता है, तो उसके

जीवन में भगवान का साक्षात्कार अवश्य होता है। कभी भगवान प्रत्यक्ष दर्शन देकर, तो कभी अपनी अनुभूति कराकर भक्त को आशीर्वाद देते हैं। भागवताचार्य ने कहा कि यदि हमारे जीवन के कठिन कार्य बिना विशेष प्रयास के पूर्ण हो जाएं, तो इसे अपनी क्षमता नहीं, बल्कि प्रभु की कृपा मानना चाहिए। संसार में उनके आदेश के बिना एक पत्ता तक नहीं हिल सकता। मनुष्य को सदैव यह भाव रखना चाहिए कि जो कुछ भी है, वह ईश्वर की देन है। उन्होंने आध्यात्मिक पथ पर चलने के लिए साधु-संतों, गुरुजनों और महात्माओं के सान्निध्य को आवश्यक बताया। साथ ही गौसेवा, समाजसेवा और माता-पिता की सेवा को जीवन का अनिवार्य कर्तव्य बताया। उन्होंने कहा कि माता-पिता के चरणों में ही साक्षात तीर्थ का वास होता है और उनकी सेवा करने से समस्त पुण्य स्वत: प्राप्त हो जाते हैं। कथा के षष्ठम दिवस पर महारास, मथुरा गमन एवं रुक्मिणी विवाह प्रसंग का संगीतमय एवं भावपूर्ण वर्णन किया गया। जैसे ही रुक्मिणी विवाह का प्रसंग मंचन हुआ, पूरा पांडाल जयकारों और भजनों से गूंज उठा। भाव-विभोर श्रद्धालुओं ने संगीतमय भजनों पर नृत्य कर अपनी आस्था प्रकट की व पुष्पवर्षा कर खुशी का इजहार किया।

एक नजर राष्ट्र निर्माण का संकल्प सांदीपनि विद्यालय में कर्त्तव्य बोध दिवस गरिमा के साथ संपन्न

शिक्षक वह दीप है जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता हैं : हिम्मत सिंह

मन्दसौर। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ जिला शाखा मंदसौर द्वारा सांदीपनि विद्यालय साबाखेड़ा में कर्तव्य बोध दिवस का भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। यह दिन शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए आत्म-चिंतन और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का अवसर बना।

मुख्य वक्ता, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रांतीय संगठन मंत्री हिम्मत सिंह जैन ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि शिक्षक वह दीप है जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है। उन्होंने संगठन के मूल मंत्र "राष्ट्र के हित में शिक्षा, शिक्षा के हित में शिक्षक और शिक्षक के हित में समाज" को आत्मसात करने का आह्वान किया।

श्री जैन ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन का प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए कर्तव्य बोध की अनूठी मिसाल पेश की। उन्होंने बताया कि कैसे सन् 1909 में एक केस की जिरह के दौरान पत्नी की मृत्यु का तार मिलने के बाद भी सरदार पटेल विचलित नहीं हुए। उन्होंने उस तार को जेब में रखा और अपना कर्तव्य पूरा कर बेगुनाह की जान बचाई। श्री जैन ने कहा, व्यक्तिगत पीड़ा से ऊपर लोकहित और कर्तव्य को रखना ही सच्ची भारतीय शिक्षा है।

मुख्य वक्ता ने आधुनिकता के दौर में संसाधनों के अंधाधुंध दोहन पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज बड़े शहरों में पानी समाप्त हो रहा है और दूर-दराज से पानी लाकर प्यास बुझाई जा रही है। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को संसाधन सुरक्षा और भारतीय जीवन मूल्यों की शिक्षा दें, तभी भारत पुन: विश्व गुरु बनेगा। 'सत्य सनातन राष्ट्र हमारा, जगत सिर मोर बनाएंगे, जगमग करते हैं सारे जग को ज्ञान के दीप जलाएंगे।'

कार्यक्रम में विद्यालय की ड्रेस व्यवस्था को सामाजिक समरसता के प्रतीक के रूप में रेखांकित किया गया। यह बताया गया कि ड्रेस केवल अनुशासन नहीं, बल्कि आर्थिक भेदभाव को मिटाने का श्सेतुश् है। जहाँ अमीर-गरीब का भेद समाप्त होता है और 'अहं' का त्याग कर 'हम' का भाव जाग्रत होता है, वहीं से राष्ट्रवाद की शुरुआत होती है। 'सह-भोज' और 'साझा श्रम' जैसे प्रयासों से इस समरसता को और गहरा करने का सुझाव दिया गया।

श्री जैन ने आज के 'ब्रेन ड्रेन' और 'इमोशनल ड्रेन' पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि यदि बच्चा पढ़-लिखकर विदेश चला जाए और माता-पिता अंत समय में अकेले रह जाएं, तो वह शिक्षा असफल है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे बच्चों में 'स्वदेशी' के बीज बोएं और उन्हें भारत में ही रहकर नौकरी देने वाला बनने के लिए प्रेरित करें।

मुख्य अतिथि विनोद कुमार पुनी (प्रांतीय कोषाध्यक्ष) ने संगठन की मजबूती के लिए निष्ठा और पारदर्शिता को अनिवार्य बताया। उन्होंने विद्यालय को कार्यस्थल नहीं, बल्कि श्सेवा-स्थलश् बनाने का संकल्प दिलाया।

विशिष्ट अतिथि रामचंद्र लोहार प्रांतीय सह मीडिया प्रभारी ने कहा कि अधिकार तभी सुरक्षित रहते हैं जब कर्तव्य ईमानदारी से निभाए जाएं। चरित्रवान युवा ही देश का भविष्य हैं। विक्रम शर्मा (जिला अध्यक्ष) ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने छात्र-शिक्षक और समाज के बीच पुराने विश्वास को पुन: स्थापित करने पर बल दिया। विशेष अतिथि के रूप में सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य विनीत अग्रवाल उपस्थित रहे।